



Est.1971

Bahirji Samrak Vidyalaya Education Society, Wapti's

BAHIRJI SMARAK MAHAVIDYALAYA

Basmathnagar Tq. Basmathnagar Dist. Hingoli – 431 512

NAAC Reaccredited with 'B+' Grade
Best College Award of 2020 by Parent
University | Academic Administrative
Audit Report – 'A' Grade
An ISO: 9001: 2020

Affiliated to : Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Centre No : Senior – 209
Recognized by UGC 2(f) and 12(B) Status

☎ 02454-220061

✉ bahirjicollege@gmail.com, bahirjicollege@yahoo.co.in

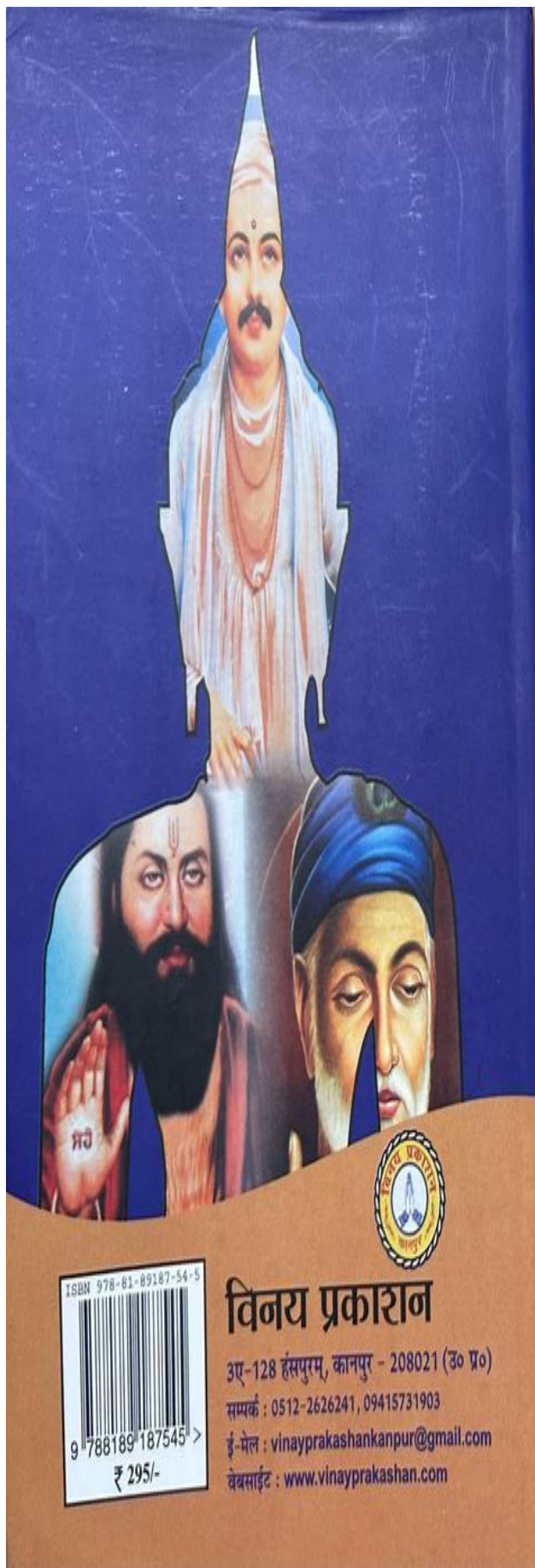
🌐 www.bahirjicollege.org

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

Number of books and chapters in EDITED VOLUMES/ books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during the Academic Year 2018-19

Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book	National / International	Calendar Year of publication	ISBN number of the proceeding	Affiliating Institute at the time of publication	Name of the publisher
1	Dr. S. N. Kshirsagar	Kabir, Raidas aur Tukaram ke Kavya me Bauddha Darshan	National	2018-19	978-81-89187-54-5	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Vinay Prakashan, Kanpur
2	Dr. R. B. Kawale	Banbhatta ki Aatmakatha me Naari	National	2018-19	978-81-89187-56-9	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Vinay Prakashan, Kanpur
3	Dr. R. B. Kawale	Vikalang Vimarsh aur Hindi Kahahi	National	2018-19	978-81-943285-0-6	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Vikas Publication Kanpur
4	Dr. R. B. Kawale	Vikalang Vimarsh aur Hindi Upanyas	National	2018-19	978-81-943285-1-3	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Vikas Publication Kanpur
5	Dr. R. R. Mutkule	Sahityatil Chhatrapati Sambhaji Raje Aani Vastav Itihaas	National	2018-19	978-93-5311-782-5	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Panchfulla Prakashan Aurangabad
6	Dr. M. B. Swami	A Text Book of Organic Chemistry	National	2018-19	978-93-5240-160-4	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Aruna Prakashan Latur
7	Dr M.M.Jadhav	Akshargatha	International	2018-19	0976-2957	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Baliwansh Prakashan Nanded

8	Dr M.M.Jadhav	Akshargatha	Inter- national	2018-19	0976-2957	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Baliwansh Prakashan Nanded
9	Dr M.M.Jadhav	Akshargatha	Inter- national	2018-19	0976-2957	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Baliwansh Prakashan Nanded
10	Dr M.M.Jadhav	Akshargatha	Inter- national	2018-19	0976-2957	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Baliwansh Prakashan Nanded
11	Dr. P. G. Gawali	Dielectric of Legeums	National	2018-19	978-93- 851156-9-1	Bahirji Smarak Mahavidyalay, Basmat	Shabdhdan Pub. Nanded



कबीर, रैदास और तुकाराम के काव्य में बौद्ध दर्शन

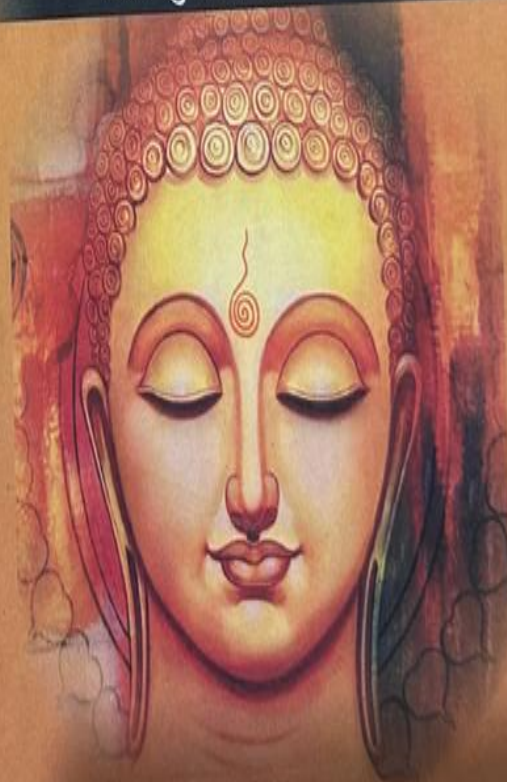
डॉ. सुभाष क्षीरसागर



कबीर, रैदास और तुकाराम
के काव्य में

बौद्ध दर्शन

डॉ. सुभाष क्षीरसागर



विनय प्रकाशन

अ-128 हंसपुरम, कानपुर - 208021 (उ० प्र०)
सम्पर्क : 0512-2626241, 09415731903
ई-मेल : vinayprakashankanpur@gmail.com
वेबसाइट : www.vinayprakashan.com



डॉ. रेविता कावले

जन्म :

03 नवंबर 1976

जन्म स्थान :

छाकोरगड, तह. के.व. वि. बी.ड. (महाराष्ट्र)

शिक्षा :

एम. ए., बी. एड., एम. फिल., पी. एच. डी.

लेखन :

विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में आलेख

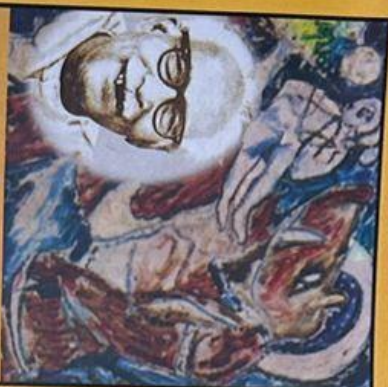
प्रकाशित

संप्रति :

हिन्दी विभाग,

डु. बहिरा सागर महाविद्यालय

वसमत, हिंगोली (महाराष्ट्र)



बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी

डॉ. रेविता कावले



विनय प्रकाशन

3ए-128 हंसपुर, कानपुर - 208021 (उ.प्र.)

संपर्क : 0512-2626241, 09415731903

ई-मेल : vinayprakashankanpur@gmail.com

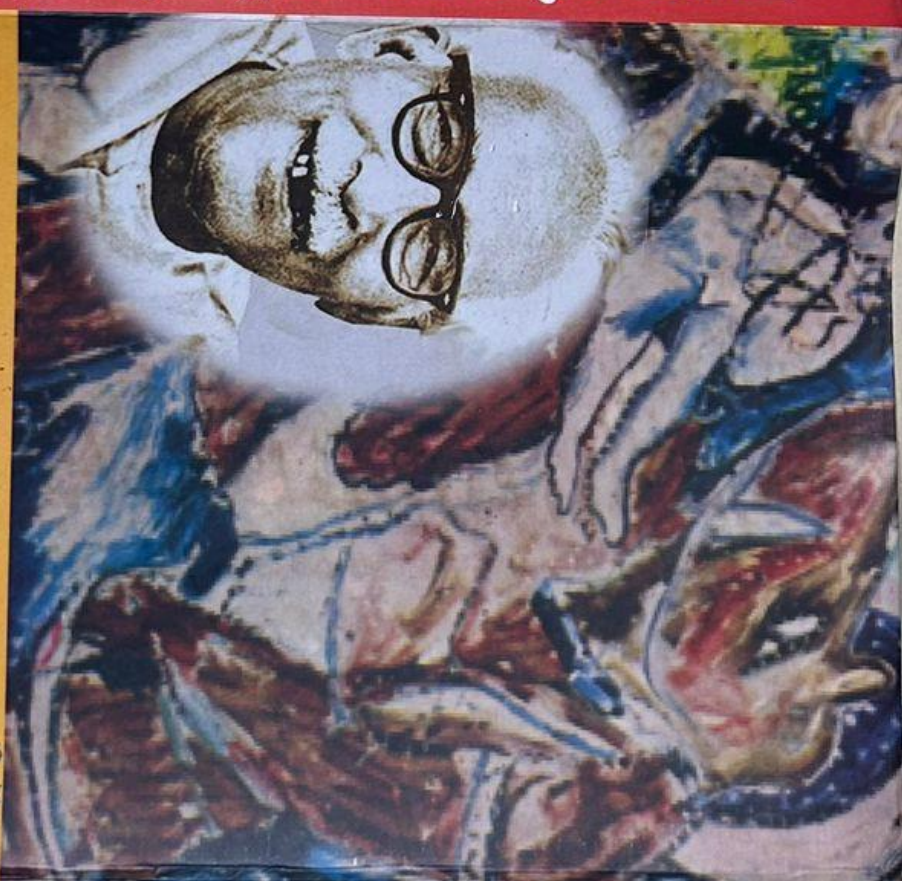
वेबसाइट : www.vinayprakashan.com



ISBN 978-81-89187-56-9
9 781891 875669 >
₹ 350/-



बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी डॉ. रेविता कावले



बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी

डॉ. रेविता कावले

डॉ. रेविता कावले

जन्मतिथि :

03 नवम्बर 1976

जन्म स्थान :

ढाकेफल, तहसील-केंज, जिला-बीड (महाराष्ट्र)

शिक्षा :

एम.ए. बी.एड., एम-फिल., पी-एच.डी, सेट (हिन्दी)

प्रकाशन :

* बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी

* विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित

संप्रति :

हिन्दी विभाग, बहिर्जी स्मारक महाविद्यालय, बसमत, जिला-हिंगोली



डॉ. रेविता कावले विकलांग विमर्श और हिन्दी कहानी

साहित्यिक विमर्श समाज के साहित्य पर अपनी पहचान छोड़े हुए अंगों में 'अस्मिता-बोध' जगाने में निरन्तर प्रयास का दूसरा नाम है। हिंदी साहित्य में कविता, कहानी तथा उपन्यासों के माध्यम से अपना अस्तित्व और अस्मिता को तलाशने का कार्य विकलांग-विमर्श भी कर रहा है। डॉ. रेविता ने इस ग्रंथ में हिंदी कहानी साहित्य में व्यक्त विकलांग-विमर्श के विभिन्न आयामों का गंभीर विवेचन प्रस्तुत किया है। विकलांग-विमर्श की सैद्धांतिकी, विकलांगता की अवधारणा, विकलांगता की समस्याएँ तथा हिंदी कहानियों में चित्रित विकलांग बर्तों की परख इस ग्रंथ के महत्वपूर्ण बिंदु हैं।

अनुक्रमिका

1. विकलांग विमर्श : स्वल्प और अवधारणा
2. हिंदी कहानी साहित्य और विकलांग बर्तन
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियों में विकलांगों की पारिवारिक तथा सामाजिक समस्याएँ
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियों में विकलांगों की आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य समस्याएँ
5. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी साहित्य में विकलांग बर्तन
6. उपसंहार



ISBN 978-81-943285-0-6

9 788194 328506

₹ 650.00

Also available at :

विकास प्रकाशन, कानपुर

311 सी, विश्ववैदिक बर्त, कानपुर-208027

शोरूम : 110/138 मिश्रा पैलेस, जवाहर नगर, कानपुर-12

फ़ोन : 0512-2543549

मोबाइल : 9415154156, 9450057852

E-mail : vikasprakashankanpur@gmail.com

vikasprakashanknp@gmail.com

Website : www.vikasprakashan.com

ISBN : 978-81-943285-0-6
₹ 650.00



डॉ. रेविता कावले

जन्मतिथि :

03 नवम्बर 1976

जन्म स्थान :

ढाकेफल, तहसील-केज, जिला-बोड (महाराष्ट्र)

शिक्षा :

एम.ए. बी.एड., एम-फिल., पी-एच.डी, सेट (हिन्दी)

प्रकाशन :

* बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी

* विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित

संप्रति :

हिन्दी विभाग, बहिर्जी स्मारक महाविद्यालय, वसमत, जिला-हिंगोली



विकलांग विमर्श और हिन्दी उपन्यास

डॉ. रेविता कावले



Also available at :

विकास प्रकाशन, कानपुर

311 सी, विश्वबैंक बर्रो, कानपुर-208027

शोरूम : 110/138 मिश्रा पैलेस, जवाहर नगर, कानपुर-12

फोन : 0512-2543549

मोबाइल : 9415154156, 9450057852

E-mail : vikasprakashankanpur@gmail.com

vikasprakashanknp@gmail.com

Website : www.vikasprakashan.com

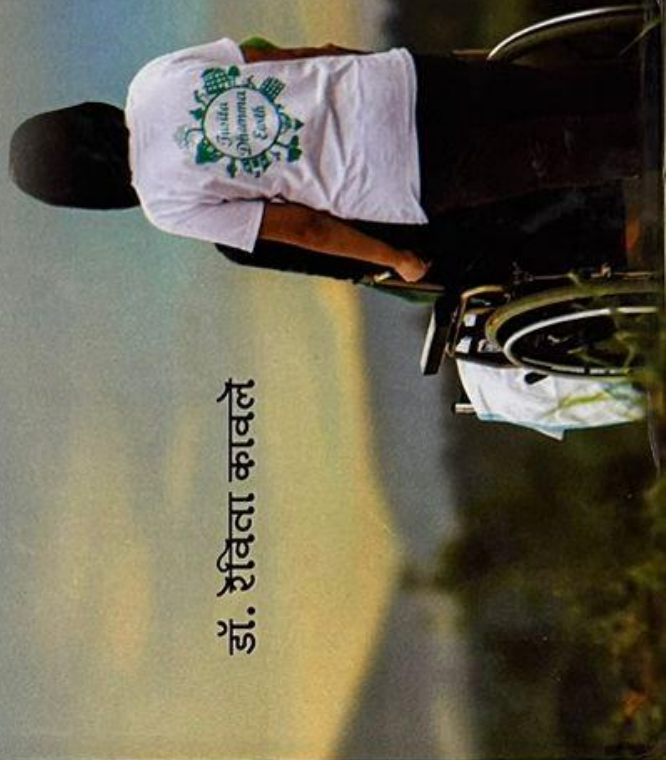


₹ 595.00

विकलांग विमर्श और हिन्दी उपन्यास

131-20

डॉ. रेविता कावले



साहित्यिक विमर्श समाज के रहस्यो पर अपनी पहचान खोये हुए अंगों में 'अस्मिता-बोध' जगाने में निरन्तर प्रयास का दूसरा नाम है। हिन्दी साहित्य में कविता, कहानी तथा उपन्यासों के माध्यम से अपना अस्तित्व और अस्मिता को तलाशने का कार्य 'विकलांग-विमर्श' भी कर रहा है। डॉ. रेविता ने इस ग्रंथ में हिन्दी उपन्यास साहित्य में व्यक्त विकलांग-विमर्श के विभिन्न आयामों का गंभीर विवेचन विश्लेषण किया है। विकलांग-विमर्श की सैद्धांतिकी, विकलांगता की अवधारणा, विकलांगता की समस्याएँ तथा हिन्दी उपन्यासों में चित्रित विकलांग चरित्रों की परख इस ग्रंथ के महत्वपूर्ण बिंदु हैं।

अनुक्रमिका

1. विकलांग विमर्श : स्वरूप और अवधारणा
2. हिन्दी उपन्यास साहित्य और विकलांग चरित्र
3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में विकलांगों की पारिवारिक तथा सामाजिक समस्याएँ
4. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में विकलांगों की आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य समस्याएँ
5. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास साहित्य में विकलांग चरित्र
6. उपसंहार

ISBN : 978-81-943285-1-3
₹ 595.00

साहित्यातील छ. संभाजी राजे आणि वास्तव इतिहास



प्रा. डॉ. रामभाऊ मुटकुळे
प्रा. डॉ. गिरीधर सोमवंशी

संभाजी राजांनी बुधभूषणमध्ये अध्याय दोन,
श्लोक ४२मध्ये राजाचे सर्वात मोठे
शत्रु असलेले सात दोष सांगितले आहेत.

'व्यसनानि च सर्वाणि भूपतिः परिवर्जयेत्।
सप्तदोषा सदा राज्ञा हातच्या व्यसनोदयाः॥

हे सात दोष अनुक्रमे

१) वाग्दण्ड २) पारुष्य ३) दूरयातंच
४) पान ५) स्त्री ६) मृगया व ७) द्यूत
म्हणजे

- १) कोणालाही फार टोचून बोलू नये.
- २) कोणाशीही कठोर बोलू नये.
- ३) संरक्षणाशिवाय राजाने राज्यापासून
दूर जाऊ नये.
- ४) राजाने मादक द्रव्य, दारू-अफू, गांजा
असे पदार्थ सेवन करू नयेत.
- ५) राजाने जनानखाना बाळगू नये.
परस्त्रीचा मातेसमान सन्मान करावा.
- ६) राजाने गरीब, जंगली वा पाळीव प्राण्यांची
हत्या करूच नये.
- ७) राजाने द्यूत - जुगारापासून दूर रहावे.

श्री संभाजी राजांचे निष्कलंक व्यक्तित्व
समजण्यासाठी त्यांनीच राजाबद्दल लिहिलेला हा
श्लोक मार्गदर्शक ठरावा.

ISBN 978-93-5311-782-5



पंचफुला प्रकाशन
औरंगाबाद

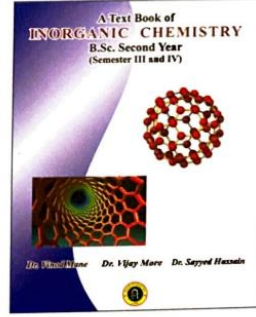
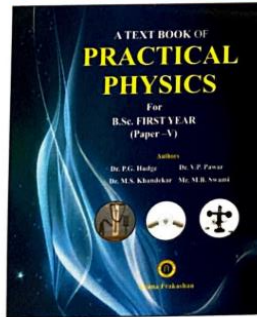
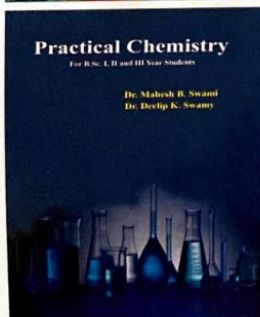
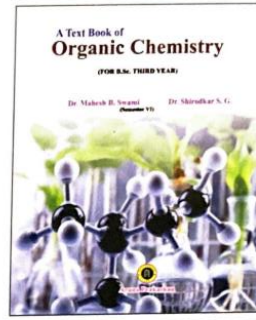
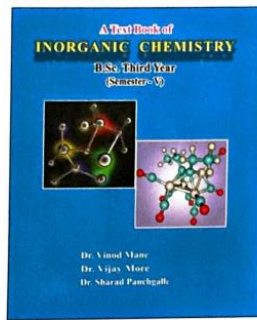
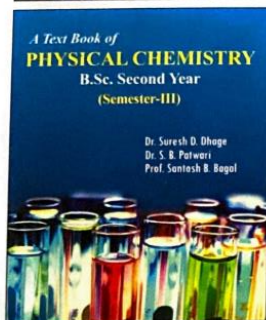
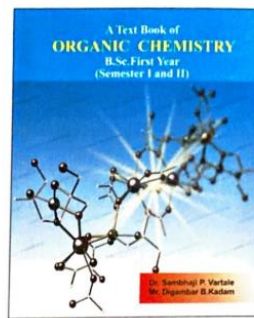
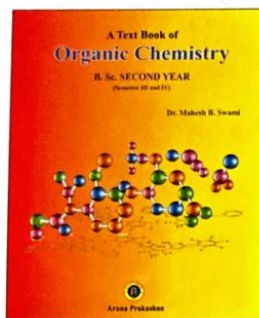
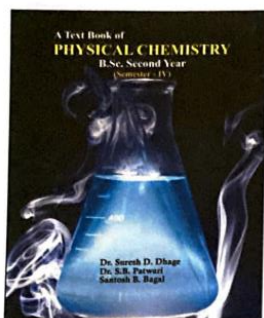
A Text Book of **Organic Chemistry**

(FOR B.Sc. THIRD YEAR)
(Semester VI)

Dr. Mahesh B. Swami

Dr. Shiroadkar S. G.





Aruna Prakashan, Latur

103, Omkar Complex-A, Khardekar Stop,
Ausa Road, Latur 413512. Mob. 9421486935

ISBN 978-93-5240-160-4



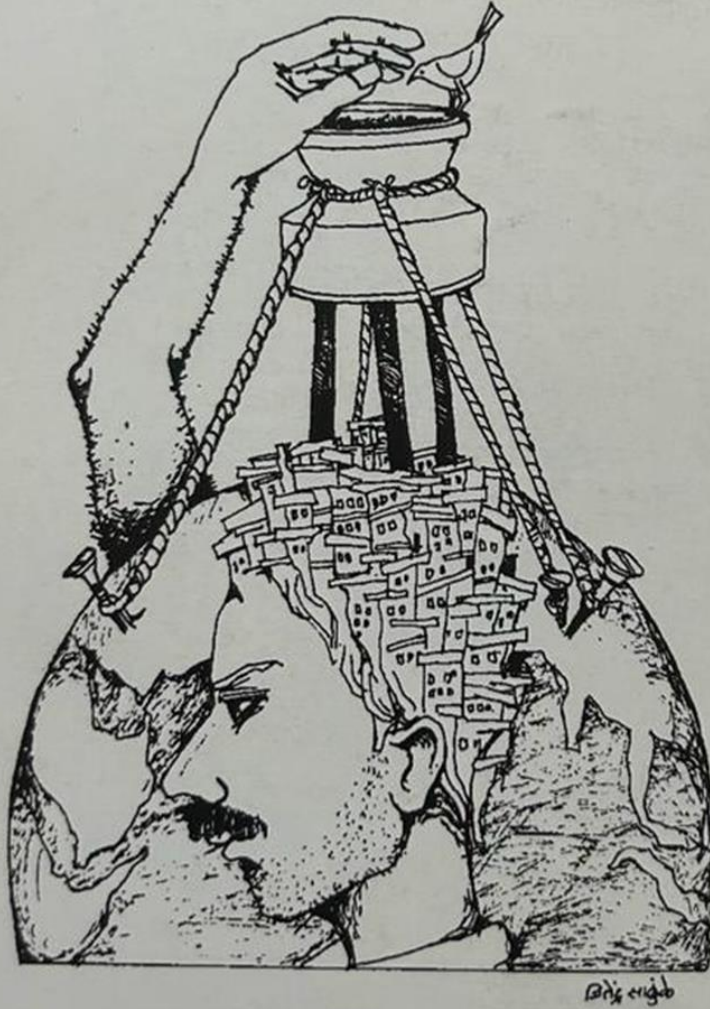
978-93-5240-160-4

अक्षरगाथा

३३

ISSN : 0976-2957

वर्ष : नववे । अंक : दुसरा । १० जुलै २०१८



(पृष्ठे १४८)

संपादक
मा. मा. जाधव

१

साहित्य, कला, संशोधन व परिवर्तनवादी पुरोगामी
विचारांशी बांधिलकी देवणारे त्रैमासिक

अक्षरगाथा

वर्ष : नववे । अंक : दुसरा । जुलै-ऑगस्ट-सप्टेंबर २०१८, नांदेड

संपादक : मा. मा. जाधव

- | | | |
|---------------------------------------|---|--|
| ■ परीक्षण समिती
(Review Committee) | : प्रा. रामप्रसाद तौर-नांदेड
डॉ. दिलीप चव्हाण-नांदेड
डॉ. माधव पुटवाड-अमरावती
डॉ. शैलेंद्र लेंडे-नागपूर | ■ मुद्रिततपासणी
राजेश मुखेडकर-९८९०१५३७०० |
| ■ संपादक मंडळ | : डॉ. कमलाकर चव्हाण-हिंगोली
डॉ. माधव जाधव-हिंगोली
प्रा. विजय पाईकराव-नाशिक
प्रा. भगवान फाळके-अमरावती | ■ मुद्रक
मुद्रा ऑफसेट प्रिंटर्स अँड प्रोसेसर्स
शारदा टॉकीजजवळ, एम. जी. रोड, नांदेड-०३. |
| ■ प्रकाशक | : अर्चना माधवराव जाधव
बळीवंश प्रकाशन, 'बळीवंश',
नृसिंह पॅलेसच्या मागे,
नरहरनगर, नांदेड -५. | ■ मुखपृष्ठ
जितेंद्र सालुंके-९९७०७८३४०५ |
| | | ■ अक्षरमांडणी व सजावट
विजयकुमार चित्तरवाड-९४२१९८७८०९ |
| | | ■ अक्षरजुळणी
दत्ता कोमटवार-८८८८९७१५७६ |

साहित्य व वर्गणी पाठविण्याचा पत्ता

मा. मा. जाधव

'बळीवंश', नृसिंह पॅलेसच्या मागे, नरहरनगर, नांदेड - ४३१ ६०५. भ्र. ९४२२८७४३३६, ९८८१९९१५४३
website : www.akshargatha.in e-mail : akshargatha@gmail.com

वार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ३००/- संस्था : ₹ ४००/- त्रैवार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ८००/- संस्था : ₹ १०००/-
१० वर्षासाठी : व्यक्ती : ₹ २५००/- संस्था : ₹ ३०००/- अंकाचे मूल्य : ₹ १००/-

● वार्षिक वर्गणी केवळ मनीऑर्डर/डी.डी./ रोखीने भरावी. ● त्रैवार्षिक व १० वर्षासाठीची वर्गणी मनीऑर्डर/घनादेश/घनाकर्ष (डी.डी.) 'अक्षरगाथा' या नावाने पाठवावा. ● मनीऑर्डरने वर्गणी पाठवताना पूर्ण पत्ता, पीन कोड, संपर्क क्रमांकासह (फोन/भ्रमणध्वनी) लिहावा. अथवा भारतीय स्टेट बँक (S.B.I.) यशवंतनगर, नांदेड शाखेच्या 'अक्षरगाथा' खाते नं. 32204333102 वर Branch Code 1922 IFSC Code SBIN0001922 MICR Code 431002093 - वर्गणी रक्कम + ₹ ३० (शाखा विनिमय फीस) भरून पत्ता कळवावा.

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळाने या नियतकालिकाच्या प्रकाशनार्थ अनुदान दिले असले तरी,
या नियतकालिकातील लेखकांच्या विचारांशी मंडळ व शासन सहमत असेलच, असे नाही.

* या अंकातील लेखांतून व्यक्त झालेल्या लेखकांच्या मतांशी संपादक, मुद्रक आणि प्रकाशक सहमत असतीलच असे नाही.
पृष्ठ क्र.३ (मुखपृष्ठ व मलपृष्ठासह या अंकाची एकूण पृष्ठसंख्या १४८ आहे)



अक्षरवापि

ISSN 0976-2957

वर्ष : नववे । अंक : तिसरा । १० ऑक्टोबर २०१८



संपादक
मा. मा. जाधव

(पृष्ठे ९२)

३५

ISSN 0976-2957

साहित्य, कला, संशोधन व परिवर्तनवादी
पुरोगामी विचारांशी बांधिलकी ठेवणारे त्रैमासिक

अक्षरवाणी

वर्ष : नववे । अंक : चौथा । १० जानेवारी २०१९

लोकशाहीपुढील आव्हाने व भारतीय संविधान

विशेषांक

(पृष्ठे १२६)

साहित्य, कला, संशोधन व परिवर्तनवादी पुरोगामी
विचारांशी बांधिलकी ठेवणारे त्रैमासिक

अक्षरगाथा

वर्ष : नववे । अंक : तिसरा । ऑक्टोबर-नोव्हेंबर-डिसेंबर २०१८, नांदेड

संपादक : मा. मा. जाधव

■ परीक्षण समिती (Review Committee)	: प्रा. रामप्रसाद तौर-नांदेड डॉ. दिलीप चव्हाण-नांदेड डॉ. माधव पुटवाड-अमरावती डॉ. शैलेंद्र लेंडे-नागपूर	■ मुद्रिततपासणी राजेश मुखेडकर-९८९०१५३७००
■ संपादक मंडळ	: डॉ. कमलाकर चव्हाण-हिंगोली डॉ. माधव जाधव-हिंगोली प्रा. विजय पाईकराव-नाशिक प्रा. भगवान फाळके-अमरावती	■ मुद्रक मुद्रा ऑफसेट प्रिंटर्स अँड प्रोसेसर्स शारदा टॉकीजजवळ, एम. जी. रोड, नांदेड-०३.
■ प्रकाशक	: अर्चना माधवराव जाधव बळीवंश प्रकाशन, 'बळीवंश', नृसिंह पॅलेसच्या मागे, नरहरनगर, नांदेड -५.	■ मुखपृष्ठ सरदार जाधव-९८६०५१६०३८
		■ अक्षरमांडणी व सजावट विजयकुमार चित्तरवाड-९४२१९८७८०९
		■ अक्षरजुळणी दत्ता कोमटवार-८८८८९७१५७६

साहित्य व वर्गणी पाठविण्याचा पत्ता

मा. मा. जाधव

'बळीवंश', नृसिंह पॅलेसच्या मागे, नरहरनगर, नांदेड - ४३१ ६०५. भ्र. ९४२२८७४३३६, ९८८१९१५४३

website : www.akshargatha.in e-mail : akshargatha@gmail.com

वार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ३००/- संस्था : ₹ ४००/- त्रैवार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ८००/- संस्था : ₹ १०००/-
० वर्षासाठी : व्यक्ती : ₹ २५००/- संस्था : ₹ ३०००/- अंकाचे मूल्य : ₹ १००/-

वार्षिक वर्गणी केवळ मनीऑर्डर/डी.डी./ रोखीने भरावी. ● त्रैवार्षिक व १० वर्षासाठीची वर्गणी मनीऑर्डर/घनादेश/घनाकर्ष (डी.डी.) 'अक्षरगाथा' नावाने पाठवावा. ● मनीऑर्डरने वर्गणी पाठवताना पूर्ण पत्ता, पीन कोड, संपर्क क्रमांकासह (फोन/भ्रमणध्वनी) लिहावा. अथवा भारतीय स्टेट बँक (S.B.I.) यशवंतनगर, नांदेड शाखेच्या 'अक्षरगाथा' खाते नं. 32204333102 वर Branch Code 1922 IFSC Code BIN0001922 MICR Code 431002093 - वर्गणी रकम + ₹ ३० (शाखा विनिमय फीस) भरून पत्ता कळवावा.

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळाने या नियतकालिकाच्या प्रकाशनार्थ अनुदान दिले असले तरी,
या नियतकालिकातील लेखकांच्या विचारांशी मंडळ व शासन सहमत असेलच, असे नाही.

* या अंकातील लेखांतून व्यक्त झालेल्या लेखकांच्या मतांशी संपादक, मुद्रक आणि प्रकाशक सहमत असतीलच असे नाही.
(मुखपृष्ठ व मलपृष्ठासह या अंकाची एकूण पृष्ठसंख्या ९२ आहे)

अक्षरवापि

वर्ष : दहावे । अंक : पहिला । १० एप्रिल २०१९

पेटविले संघर्षाचे रान, दविली
गुलामीची जान
लेखनीतले बळ तुमच्या लिहिले
समतेचे संविधान माणसकिये
दिव्यदर्शन घडविणाऱ्या त्या संविधानाला
कोटी कोटी प्रणाम...

चौथी विवेकजागर परिषद
लोकशाहीपुढील आव्हाने व भारतीय संविधान

साहित्य, कला, संशोधन व परिवर्तनवादी पुरोगामी
विचारांशी बांधिलकी ठेवणारे त्रैमासिक

अक्षरगाथा

वर्ष : दहावे । अंक : पहिला । एप्रिल-मे-जून २०१९, नांदेड

संपादक : मा. मा. जाधव

- | | | |
|---------------------------------------|---|--|
| ■ परीक्षण समिती
(Review Committee) | : प्रा. रामप्रसाद तौर-नांदेड
डॉ. दिलीप चव्हाण-नांदेड
डॉ. माधव पुटवाड-अमरावती
डॉ. शैलेंद्र लेंडे-नागपूर | ■ मुद्रिततपासणी
राजेश मुखेडकर-९८९०१५३७०० |
| ■ संपादक मंडळ | : डॉ. कमलाकर चव्हाण-हिंगोली
प्रा. विजय पाईकराव-नाशिक
प्रा. भगवान फाळके-अमरावती | ■ मुद्रक
मुद्रा ऑफसेट प्रिंटर्स अँड प्रोसेसर्स
शारदा टॉकीजजवळ, एम. जी. रोड, नांदेड-०३. |
| ■ प्रकाशक | : अर्चना माधवराव जाधव
बळीवंश प्रकाशन, 'बळीवंश',
नृसिंह पॅलेसच्या मागे,
नरहरनगर, नांदेड -५. | ■ मुखपृष्ठ, अक्षरमांडणी
विजयकुमार चित्तरवाड-९४२१९८७८०९ |
| | | ■ अक्षरजुळणी
दत्ता कोमटवार-८८८८९७१५७६ |

साहित्य व वर्गणी पाठविण्याचा पत्ता

मा. मा. जाधव

'बळीवंश', नृसिंह पॅलेसच्या मागे, नरहरनगर, नांदेड - ४३१ ६०५. भ्र. ९४२२८७४३३६, ९८८१९९१५४३
website : www.akshargatha.in e-mail : akshargatha@gmail.com

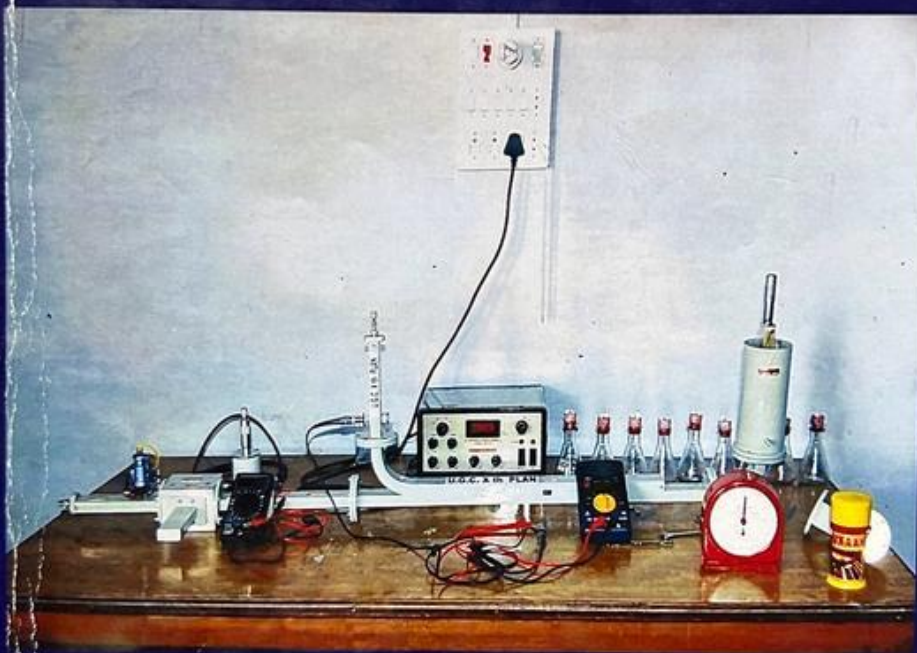
वार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ३००/- संस्था : ₹ ४००/- त्रैवार्षिक वर्गणी : व्यक्ती : ₹ ८००/- संस्था : ₹ १०००/-
१० वर्षासाठी : व्यक्ती : ₹ २५००/- संस्था : ₹ ३०००/- अंकाचे मूल्य : ₹ १००/-

● वार्षिक वर्गणी केवळ मनीऑर्डर/डी.डी./ रोखीने भरावी. ● त्रैवार्षिक व १० वर्षासाठीची वर्गणी मनीऑर्डर/घनादेश/घनाकर्ष (डी.डी.) 'अक्षरगाथा' या नावाने पाठवावा. ● मनीऑर्डरने वर्गणी पाठवताना पूर्ण पत्ता, पीन कोड, संपर्क क्रमांकासह (फोन/भ्रमणध्वनी) लिहावा. अथवा भारतीय स्टेट बँक (S.B.I.) यशवंतनगर, नांदेड शाखेच्या 'अक्षरगाथा' खाते नं. 32204333102 वर Branch Code 1922 IFSC Code SBIN0001922 MICR Code 431002093 - वर्गणी रक्कम + ₹ ३० (शाखा विनिमय फीस) भरून पत्ता कळवावा.

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळाने या नियतकालिकाच्या प्रकाशनार्थ अनुदान दिले असले तरी,
या नियतकालिकातील लेखकांच्या विचारांशी मंडळ व शासन सहमत असेलच, असे नाही.

* या अंकातील लेखांतून व्यक्त झालेल्या लेखकांच्या मतांशी संपादक, मुद्रक आणि प्रकाशक सहमत असतीलच असे नाही.
पृष्ठ क्र.३ (मुखपृष्ठ व मलपृष्ठासह या अंकाची एकूण पृष्ठसंख्या १०० आहे)

MEASUREMENT OF
DIELECTRIC OF LEGUME



Dr. P.G. GAWALI



ABOUT THE AUTHOR

Dr. P.G. Gawali is presently, Associate Professor in Physics, Bahirji Smarak College, Basmath. He has B.O.S. member in Physics of S.R.T.M.U. Nanded. He has published 48 papers in national and international journal, seminars and conferences. He guided 2 M.Phil, 1 Ph.D. student and 4 students are working for Ph.D. Research area of interest is dielectric, and ferroelectric physics.

ABOUT THE BOOK

The book is written in simple language which explains the basic theories of dielectrics and microwave techniques for Dielectric measurement. It describes the dielectric behaviour of legumes. This reference book fulfils the need of researchers working in the field of Dielectric legumes and Biomaterials. This will be a pinch off contribution to the literature in microwaves and Dielectric.



Sabdadan Prakashan, Nanded.

ISBN : 978-93-85115-69-1

Shabdadan Prakashan : 548

ISBN - 978-93-85115-69-1

**MEASUREMENT OF
DIELECTRIC OF LEGUEUMES**

Dr. P. G. GAWALI

M.Sc., B.Ed., Ph.D.
Associate Professor in Physics
Bahirji Smarak Mahavidyalaya, Basmath,
Dist : Hingoli.
Mob : 09421387622
Email : pggawali_123@rediffmail.com

Published By :

Prof. Ashokkumar Dawane
Shabdadan Prakashan,
Savita nagar Taroda (khu) , Nanded.
Mob: 9372048171
Email : ashokkumardawane@gmail.com

© MEENA P. GAWALI

Second Edition : 2 Aug. 2018

Cover Design :
Natraj Computers, Nanded.

Price : Rs. 150/-

CONTENTS

CONTENTS

Preface

1 - 4

Chapter : 1

5 - 27

Molecular Origins of Permittivity and Loss

- 1.1 Relative Permittivity and Loss 5
- 1.2 Polarization Mechanisms 6
- 1.3 Frequency Dependence Dielectric Constant and Dielectric loss 17
- 1.4. Thermodynamic Parameters 22
- 1.5 Important Terms 23
- 1.6 References 27

Chapter : 2

28 - 48

Dielectric Measurements in Waveguides

- 2.1 Relative Permittivity and Loss 28
- 2.2 Dielectric Constant and Loss from Standing Wave Parameters 29
- 2.3 Heston and Polly's Method for Low Loss and High Loss Materials 34
- 2.4 Serber's Technique 36
- 2.5 Slot Line Technique 38
- 2.6 Reflectometer Technique 41
- 2.7 Relaxation Time, Conductivity and Energy Parameters 45
- 2.8 References 48